मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता

प्रिलिम्स के लिये:

[मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता (ASHA)](), [राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन]()

मेन्स के लिये:

भारत की स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में ASHA की भूमिका और महत्त्व, स्वास्थ्य एवं मानव संसाधन से संबंधित सामाजिक क्षेत्र/सेवाओं के प्रबंधन से संबंधित मुद्दे

स्रोत: डाउन टू अर्थ

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **सोशल साइंस एंड मेडिसिन** जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन ने भारत में **मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ताओं (ASHA)** द्वारा सामना किये जाने वाले अप्रत्यक्ष/प्रच्छन्न संघर्षों का खुलासा किया है।

- यह अध्ययन एक महत्त्वपूर्ण शोध अंतर को उजागर करता है जिसमें **50% से अधिक पूर्व के लेख पूर्ण रूप से स्वास्थ्य प्रणाली के परिप्रेक्ष्य पर ध्यान केंद्रित** करते हैं और आशा कार्यकर्त्ताओं के व्यक्तिगत संघर्षों की अनदेखी करते हैं। इसमें छह फोकस समूहों में 59 आशा कार्यकर्त्ताओं को शामिल किया गया, जिससे उन्हें अपने काम से संबंधित तनाव, कार्य के बोझ, लिंग, जातिगत भेदभाव और संबंधों की गतिशीलता पर खुलकर चर्चा करने में सहायता मिली।

अध्ययन के मुख्य निष्कर्ष:

- **जातिगत भेदभाव:**
  - कई आशा कार्यकर्त्ताओं (ASHA) ने ऐसे उदाहरणों का ज़िक्र किया जहाँ उनकी जाति के आधार पर उनके साथ भेदभाव किया गया था।
    - कुछ आशा कार्यकर्त्ताओं को **अभिजात वर्ग के निवासियों** के घरों के अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। कुछ मामलों में उन्हें प्रवेश की अनुमति तो दी गई लेकिन कुर्सी पर बैठने की अनुमति नहीं दी गई।
- **लिंग आधारित अनादर:**
  - आशा कार्यकर्त्ताओं को सार्वजनिक रूप से ऐसे पुरुषों के साथ देखे जाने पर **समुदाय के सदस्यों से अपमानजनक टिप्पणियों और भेदभावपूर्ण व्यवहार का अनुभव** हुआ जो उनके परिवार के सदस्य नहीं थे।
    - ये घटनाएँ रोगियों के पुरुष रिश्तेदारों के साथ उनकी बातचीत या प्रजनन स्वास्थ्य एवं परिवार नियोजन पर **पुरुष सेवार्थियों को परामर्श** देने तक भी विस्तारित हुईं।
- **अनुचित व्यवहार:**
  - आशा कार्यकर्त्ताओं ने पर्यवेक्षकों, सहायक मिडवाइफ नर्स (ANM), चिकित्सा अधिकारियों और अस्पताल के कर्मचारियों के साथ अपनी बातचीत को **असम्मानजनक एवं अनुचित** स्तर तक का बताया। असंवेदनशीलता और समर्थन की कमी के उदाहरण आम बात थे।
- **घरेलू कलह:**
  - अपने काम और घरेलू ज़िम्मेदारियों के बीच संतुलन स्थापित करने के कारण **प्रायः घर में झगड़े** होना, कभी-कभी **कलह तलाक की धमकी तक** पहुँच जाते हैं।
    - अपने कठिन कार्यों के अतिरिक्त कई **आशा** कार्यकर्त्ताओं को अपने परिवारों के प्रतिदायित्वों को संतुलित करना पड़ा।
- **समर्थन और विरोध करने के समाधान की आवश्यक:**
  - अध्ययन से पता चलता है कि **उचित समर्थन और मुकाबला करने की व्यवस्था** के साथ **आशा** कार्यकर्त्ता अपने **तनाव को बेहतर ढंग से प्रबंधित** कर सकती हैं।

मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता (ASHA):

- **परिचय:**
  - आशा कार्यक्रम वर्ष 2005-06 में राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के भाग के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभ किया गया था।
    - बाद में **वर्ष 2013** में इसमें शहरी क्षेत्रों को समाहित करते हुए **राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन प्रारंभ** किया गया।
  - आशा कार्यक्रम को सामुदायिक प्रक्रिया हस्तक्षेप के एक प्रमुख घटक के रूप में प्रस्तुत किया गया था, साथ ही अब यह **विश्व में सबसे बड़े सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता कार्यक्रम के रूप** में उभरा है एवं इसे स्वास्थ्य में लोगों की भागीदारी को सक्षम करने में महत्त्वपूर्ण योगदान माना जाता है।
    - जून 2022 तक सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों **(गोवा को छोड़कर)** में **10.52 लाख से अधिक आशा कार्यकर्त्ता** हैं।
- **आशा कार्यकर्त्ता की भूमिका:**
  - आशा कार्यकर्त्ता एक सामुदायिक स्तर की कार्यकर्त्ता है जिसकी प्रमुख भूमिका **स्वास्थ्य देखभाल सुविधा प्रदाता** और **सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करना** तथा **स्वास्थ्य मुद्दों पर जागरूकता उत्पन्न करना** है।
  - **मातृ शिशु स्वास्थ्य और परिवार नियोजन** के लिये प्रमुख सेवाएँ प्रदान करने के अतिरिक्त वे राष्ट्रीय रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भी महत्त्वपूर्ण सेवाएँ प्रदान करती हैं।
  - आशा कार्यकर्त्ताएँ, जिनमें सभी महिलाएँ होती हैं, ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 1,000 और शहरी क्षेत्रों में 2,000 की आबादी की सेवा करती हैं।
    - आमतौर पर "प्रति 1000 जनसंख्या के लिये 1 आशा कार्यकर्त्ता" होती है। हालाँकि, कार्यभार के आधार पर जनजातीय, पहाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में इस मानदंड में बदलाव करके इसे "प्रति बस्ती 1 आशा कार्यकर्त्ता" तक किया जा सकता है।
- **आशा कार्यकर्त्ताओं का चयन:**
  - आशा कार्यकर्त्ता **25 से 45 वर्ष की आयु वर्ग की** मुख्य रूप से ग्रामीण निवासी, विवाहित/विधवा/तलाकशुदा महिला होनी चाहिये।
  - वह एक साक्षर महिला होनी चाहिये और चयन में उन लोगों को उचित प्राथमिकता दी जानी चाहिये जो 10वीं कक्षा तक की शिक्षा प्राप्त की हो। इसमें छूट तभी दी जा सकती है जब इस योग्यता वाला कोई उपयुक्त व्यक्ति उपलब्ध न हो।
  - आशा कार्यकर्त्ताओं को **सरकार के "कार्यकर्त्ता" के रूप में मान्यता नहीं दी** जाती है, बल्कि उन्हें "मानद/स्वयंसेवक" पद धारण करने वाले के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

आगे की राह

- **आशा कार्यकर्त्ता को भावनात्मक समर्थन और मार्गदर्शन प्रदान करने के लिये** परामर्श पहल स्थापित करना। उनके सामने आने वाली जटिलताओं से निपटने के लिये उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिये।
- जाति और लिंग के भेदभाव को संबोधित करने के लिये समर्थन के प्रयासों को मज़बूत करना तथा यह सुनिश्चित करना कि आशा कार्यकर्त्ताओं के साथ उनके **समूहों में प्रतिष्ठा और सम्मान का व्यवहार किया जाए।**
- रचनात्मक संवाद, समझ और सहयोग को प्रोत्साहित करने के लिये आशा कार्यकर्त्ताओं एवं उनके पर्यवेक्षकों के बीच संचार का खुला वातावरण बनाना।
- आशा कार्यकर्त्ताओं के परिवारों को समर्थन और समझ बढ़ाने के लिये उनके काम के महत्त्व के बारे में शिक्षित करना। इस बात पर प्रकाश डालना कि उनके प्रयासों से पूरे समुदाय को कैसे लाभ होता है।
  - आशा कार्यकर्त्ताओं को अपने काम और पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से संतुलित करने में मदद के लिये लचीली कार्य व्यवस्था सुनिश्चित करना।
- आशा कार्यकर्त्ताओं के योगदान की समुदाय-व्यापी मान्यता को बढ़ावा देना, उनमें गर्व और प्रशंसा की भावना पैदा करना।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के संदर्भ में प्रशिक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्त्ता 'आशा' के कार्य निम्नलिखित में से कौन-से हैं? (2012)

1. स्त्रियों को प्रसवपूर्व देखभाल जाँच के लिये स्वास्थ्य सुविधा केंद्र साथ ले जाना।
2. गर्भावस्था के प्रारंभिक संसूचन के लिये गर्भावस्था परीक्षण किट का उपयोग करना।
3. पोषण एवं टीकाकरण पर जानकारी प्रदान करना।
4. बच्चे का प्रसव कराना

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a)केवल 1, 2 और 3
(b)केवल 2 और 4
(c)केवल 1 और 3
(d)1, 2, 3 और 4

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/accredited-social-health-activists